Each question carries 03 (Three Marks)

प्रश्न:

Name-) Pradeep Saraswat Mirya
~~class~~-) 7987647889|

उत्तर :

Date- 10/02/22 | (P-1)

प्रश्न:

उत्तर : (A) (1) गुप्त कालिन जिलाधिकारी जिसे कार्य के बदले नगद वेतन दिया जाता इसका प्रमुख कार्यालय होता था।

प्रश्न:

उत्तर : (B) (1) हड़प्पा दौर से प्राप्त इसपे एक सौन्दर्य मोहर पर इपानमुद्रा पे बैठे साधु व उसके आस पास हिरण, शेर, भालू आदि जानवर का अलंकरण है।

प्रश्न:

उत्तर : (C) (1) मगध का शासक अजातशत्रु की हत्या कर राजा बना
(ii) इसने पाटलीपुत्र स्थापित कर उसे राजधानी बनाया
(iii) यह जैन धर्म को मानने वाला था।

प्रश्न:

उत्तर : (d) (1) अकबर द्वारा 15 नव. में इबादत खाना की गयी
(ii) अकबर इस्लामीक विषयों पर विवाद होने पर उसकी प्रमुख व्याख्या था कोई एक विचार स्वीकार करता था।

(E) (I) एक इतिहासकार सैय्यद वंश काल में तारिख-ए-मुबारकशाही की रचना की मुबारकशाह शासक जानकारी मिलती है याहया बिन अहमद सरहिन्दी।

(F) (I) गोड़ शासक [1510–1556] शिव तक 43
(II) वाल्तबीजनाय आम्हणदाय इसने अर्जुनदेव के विरुद्ध विद्रोह कर सत्ता प्राप्त की।

(G) (ज)

(4) (I) मुस्लिम लीग द्वारा 1946 में आरंभ
(II) उद्देश्य पाकिस्तान मांग का दबाव आरोपण
(III) केबिनेट मिशन के बाद उत्पन्न कार्यवाही।

(I) (I) 1936 वर्धा कांग्रेस अधिवेशन में लागू
(II) महात्मा गांधी द्वारा मातृ भाषा में शिक्षा को प्रोत्साहन पर बल दिया गया

प्रश्न:

उत्तर: (J) (I) यह शुजमहो पे स्थित है यह कौन नदी पर बना प्रपात है

प्रश्न:

उत्तर: (K) छिंदवाड़ा पे स्थित पर्यटक केन्द्र जिसे मिनी पचमढ़ी भी कहा जाता है।

प्रश्न:

उत्तर: (L) (I) दौलतसिंह 1857 क्रांति के प्रमुख स्वतंत्रता सैनानी
(II) होचगाबाद के दौर में क्रांति का नेतृत्व किया।

प्रश्न:

उत्तर: (M) (I) बघेल शासक राजा रामचन्द्र बघेल को अकबर राजा शिरोमणी उपाधि प्रदान की

प्रश्न:

उत्तर: (N) (I) यह बुन्देला वंश शासक जिन्होंने टीकमगढ़ स्थापित किया

...rite the answers of any ten of the following questions in maximum 50 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न: (2.2)

पू./M = ()

PART-B

उत्तर :

(A) प्रथम बौद्ध परिषद (पूर्व 483 ई.पू.) में अजातशत्रु द्वारा राजगीर में बुलाई गयी जिसकी अध्यक्षता महाकश्यप ने की।

कारण - (I) बुद्ध की मृत्यु के बाद बौद्ध धर्म सिद्धांतों में स्पष्टता लाना।

(II) बुद्ध मृत्यु के बाद विभिन्न अनुयायी में उत्पन्न विवादों को दूर करना।

(III) बौद्ध धर्म भविष्यगामी रणनीति तैयार करना।

(IV) गौतम बुद्ध विचारों का प्रचारित करना।

प्रश्न: (2.2)

पू./M =

उत्तर :

(B) पुलकेशिन द्वितीय एक चालुक्य वंशीय शासक इसकी निम्न उपलब्धियां रहीं।

(I) पल्लव वंश शासक नरसिंहवर्मन I को पराजित किया।

(II) हर्षवर्धन को नर्मदा तट पर हरा हराया।

(III) एहोल अभिलेख इसी ने स्थापित करवाया।

(IV) एहोल में बेसरशैली के कई मंदिर बनवाए इसलिए इसे मंदिरों का शहर कहते हैं।

(V) अजंता गुफा से प्रमाण मिलता है इसने फारसी दूतों को स्वागत किया।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(C) अलाउद्दीन ने गुजरात विजय के बाद 1000 हजार दिनार में इसे खरीदा तथा अपना गुलाम बनाया। खिलजी द्वारा इसे अपने दक्षिण विजय अभियान में सेनापति नियुक्त किया इसने निम्न विजय प्राप्त की।
(I) यादव वंश रामचन्द्र (II) होयसल वंश बल्लाल III
(III) मदुरै विजय (IV) काकतीय वंश (रुद्र देव II) आदि।
अपने अंतिम समय में मुबारक खिलजी को सत्ता प्रदान करने में महती भूमिका निभाई।
इसका अंतिम समय पर राजनैतिक हस्तक्षेप बढ़ गया था

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(I) अकबर ने राजपूतों के प्रति सम्मान व दण्ड नीति अपनाया। (I) अधीनता स्वीकारने वाले राजा को उच्च सम्मान दिया गया उन्हें राजनैतिक स्वायत्ता प्रदान कि केवल उत्तराधिकार मामला अकबर के अधीन
(II) राजपूतों से वैवाहिक संबंध स्थापित किए
(IV) राजपूतों को उच्च अमीर पद प्रदान किए। मानसिंह
(V) विद्रोहियों से युद्ध कर विजय प्राप्त की (प्रताप)
(V) राजपूत केन्द्रीय शक्ति कमजोर करने हेतु उनके अधीन सहायक सरदारों को भूमि अनुदान व अमीर पद दिए जिससे वे अकबर वफादार हो गए
(V) राजपूतों का प्रयोग राजपूतों के विरुद्ध किया गया।

उत्तर :

(E) नेहरू, विदेश नीति अर्थात संतुलन व व्यापारिक सहयोग पर आधारित थी

(a) पंचशील द्वारा आपसी शांति व सहयोग पर बल दिया गया।

(B) (NAM) की स्थापना कर शीत युद्ध में आर्थिक संतुलन व गुट निरपेक्षता को बल मिला

(c) राजनैतिक सम्प्रभुता व स्वायत्तता को मुख्य मुद्दा बनाया गया।

(d) युद्ध, प्रतिस्पर्धा के स्थान पर शांति-सहयोग पर बल

प्रश्न: (2.2)

पू./M =

उत्तर :

(F)

(I) इंडियन वीमेन एसोसिएशन (1917) में स्थापित हुआ एनी बेसेंट, सरोजिनी नायडू आदि इसमें शामिल (1917) अधिनियम को इसने प्रभावित किया

(II) ऑल इंडिया महिला कांग्रेस संगठन 1927 में सरोजिनी नायडू, सुचेता कृपलानी द्वारा स्थापित।

(III) इंडियन वुमन कान्फ्रेंस मुम्बई में स्थापित हुई महादेव गोविन्द रानाडे की पत्नी रमाबाई रानाडे ने स्थापित किया।

उत्तर :

(५) यह पत्थरगंग राजभवन भोपाल से स्थित है यहां राज्यपाल निवास करते हैं। इसे 1880 में शाहजहाँ बेगम द्वारा बनाना आरंभ किया गया 1906 में सुल्ताना बेगम शासनकाल में यह पूर्ण हुआ इसे ब्रिटिश वायसराय लिंडै मिंटो के बनाया गया इसका नाम लालकोठी रखा गया था। (1 जून 1949) से (1956) तक इसने कमीश्नर हाउस के रूप में कार्य किया (1956) के बाद इसे राजभवन बना लिया गया।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(4) ठाकुर रणपतसिंह बघेल वंश से संबंधित थे उन्हें ब्रिटिश द्वारा नौ गाँव की जागीर व रियासत के केल्ल के पद पर आसीन थे।

(I) 1857 क्रांति में रीवा, सतना, मध्यांचल क्षेत्र में क्रांति का नेतृत्व किया।

(II) वख्तवली, मर्दानसिंह को गिरफ्तार करने से इन्कार कर दिया था।

(III) (52 वी) इन्फेन्ट्री, स्थानीय जमीदार, चौधुकोट व कथको की को मिलाकर विद्रोह कर दिया।

(IV) चित्रकूट में पकड़े गए तथा इन्हें फांसी दे दी गयी

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(I) दोस्त मोहम्मद खाँ ने निश्चय से भोपाल रियासत की स्थापना की।

(i) जगदीशपुर में राजपूतों का दमन कर उस पर अधिकार कर लिया।

(ii) सिहिया से मोहम्मद फारूक को पराजित कर अधिकार कर लिया।

(iii) इसने भोपाल, रायसेन, पथारी, ... पर अधिकार किया।

(iv) भोपाल में कत्लगढ़ किला, ढाई सीढ़ी की मस्जिद, फतेहगढ़, बाजार का निर्माण करवाया।

(v) रानी कमलावती से अभिन्न व घनिष्ठ किया।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(J) तोमर वंश की स्थापना वीरसिंह देव ने की (1388) इसके अन्तःशासकों के लोदी बहलोल से निम्न प्रकार संबंध रहे।

(i) बहलोल लोदी ने कूटनीतिक संबंध स्थापित किए।

(ii) तोमरों के प्रति उसने उदार नीति अपनाई।

(iii) दोनों के पक्ष कोई बड़े युद्धों का पता नहीं मिलती।

(iv) दोनों वंशों मे कलापक्ष उदार आदान-प्रदान व सम्मान प्रतीकात्मक का प्रमाण मिलते हैं।

(A)

हड़प्पा सभ्यता का विकास क्रम (2350-1750) BC माना जाता है किन्तु साहित्यिक साक्ष्य के बिना हमें केवल पुरातात्विक साक्ष्यों पर निर्भर रहना पड़ता है। इसी कारण भिन्न उत्पत्ति सिद्धांत प्रतिपादित हुआ।

(a) विदेशी उत्पत्ति → मार्टिन व्हीलर, गार्डन चाइल्ड
(i) हड़प्पा मेसोपोटामिया सभ्यता से उत्पन्न।
(ii) व्हीलर को बुर्ज-आकृतियों में समानता दिखी
(iii) केनेथ कैनेडी ने खोपड़ी आधार पर प्रमाणित किया
विपक्ष → (i) हड़प्पा पहले आपातकाल मेसो की बजाय
(ii) हड़प्पा में पहिए नहीं मेसो सभ्यता में पहिए
(iii) हड़प्पा में पकी ईंटों का प्रयोग मेसो में नहीं।

(B) आर्य उत्पत्ति → (i) ऋग्वेद में कुम्भा, काबुल नदी का उल्लेख
(ii) सप्त सैंधव प्रदेश में आर्य आगमन हुआ
(iii) कुछ दांतों से घोड़े के अस्थिपंजर मिले
विपक्ष → (i) आर्य ग्रामीण संस्कृति (ii) सामाजिक राजनैतिक व्यवस्था में भिन्नता मौजूद।

Nema Books -9200333367

stion: 3 There are 05 sub-question in this question, each has to be answered in maximum 200 words. All questions are mandatory. There is also an internal option in every question. The answer to the internal option of the candidates is to be made explicitly before the answer. Each question carries 11 marks.

प्रश्न: (3.1) Continued (जारी)

(c) द्रविड़ उत्पत्ति → (i) हड़प्पा व द्रविड़ सभ्यता पूर्णतः समान।
(ii) दोनों में भू-मध्यसागरीय नस्ल तत्व विद्यमान
(iii) लिपि समानता, लिंगपूजा, वृषपूजा, योनिपूजा द्रविड़ संस्कृति में मौजूद।

विपक्ष → (i) हड़प्पा नगरीकृत व द्रविड़ नवपाषाणकालीन सभ्यता

(d) ईरानी-बलूची कृषि विकास → मेहरगढ़, चापर, फेयर सर्विस।
(i) ईरानी, बलूची, अफगानिस्तान नवपाषाणकालीन संस्कृति कृषि सभ्यता से विकसित होकर नगरीय सभ्यता बनी।
(ii) काली बंगा, आमरी में जुते हुए खेतों के प्रमाण।

फेयर सर्विस ने दिखाए चरण
(i) सीमित कृषि (3500 BC) (ii) उन्नत कृषि (3500-2500)
(iii) नगरीकरण (2500 BC-1750 BC) (iv) नगरीय पतन (अनिश्चित)

विपक्ष → (i) कुछ देशों में पूर्व हड़प्पाई स्थल नहीं।

अतः बिना साहित्यिक साक्ष्यों के किसी भी सिद्धांत को स्वीकार करना उचित आवश्यक है यद्यपि शोध पर बल दिया जाए।

(B) खिलजी द्वारा मूल्य नियंत्रण व सैन्य तंत्र सदृढ़ीकरण हेतु बाजार नियंत्रण व्यवस्था अपनायी गयी। इसकी जानकारी बरनी कृत तारीख-ए-फिरोजशाही से प्राप्त होती है।

इसकी निम्न विशेषता रही।

(1) बाजार को तीन भागों में विभक्त किया
(i) घोड़ों का बाजार (ii) अनाज बाजार (iii) सराय-ए-अदल

(ii) बाजार नियंत्रण हेतु विभिन्न अधिकारी नियुक्त
(a) शहना-ए-मंडी (निरीक्षक)
(B) परवाना-नवीस (परमिट अधिकारी)
(c) बरीद → गुप्तचर
(d) नायिब → नाजतात अधिकारी।
(e) दिवान-ए-रियासत → बाजार प्रमुख)

(iii) प्रत्येक व्यापारी का पंजीकरण किया जाता तथा परमिट जारी कर उत्पादों को मूल्य सूची जारी की जाती इससे अधिक मूल्य पर

बेपरे दण्ड की व्यवस्था।
(4) दुरस्थ किसानों से नगद व निकट किसानों अनाज राजस्व प्राप्ती
(5) दिल्ली में अनाजों के भण्डार गृह बनाए गए।
(6) क्रिकेताओं के लिए उनके पारिश्रमिक निर्धारित की गयी।

(1) सकारात्मक प्रभाव → (I) प्रजा को कम मूल्य पर अनाज प्राप्ती।
(II) खिलजी स्थायी सेना का गठन कर सका
(III) दिल्ली में कभी अकाल नहीं पड़ा।
(IV) दिल्ली बड़े कपड़े बाजार के रूप में विकसित हुआ।
(4) नकारात्मक → (I) विक्रय कर्ता को नुकसान
(II) किसानों को कम मूल्य पर अनाज विक्रि करनी पड़ी।
(III) व्यापार-वाणिज्य को हानि हुई।
इसके बावजूद खिलजी सल्तनत लाभान्वित हुई इन्हीं नीतियों के कारण खिलजी विस्तार कर सके।

Nema Books -9200333367

(c) साइमन कमीशन की रिपोर्ट व तीन गोलमेज सम्मेलन के आधार पर 1935 भारत शासन अधिनियम पारित किया गया।

इसकी निम्नलिखित विशेषता रही।

(i) राज्यों में द्वैधशासनात्मक व्यवस्था की समाप्ति तथा केन्द्र-राज्य के मध्य उपयुक्त शक्ति विभाजन [संघ, राज्य] सूची के रूप में। वही अवशिष्ट शक्ति गवर्नर जनरल को दी गयी।

(ii) केन्द्रीय स्तर पर द्वैधशासनात्मक व्यवस्था लागू की [आरक्षित विषय व संरक्षित विषयों] में विभाजन।

(iii) केन्द्रीय स्तर पर राज्यपरिषद व विधान सभा का गठन राज्यपरिषद उच्च व स्थायी सदन तथा विधानपरिषद निम्न व अस्थायी सदन।

(iv) गवर्नर जनरल को अध्यादेश जारी करने, आपातकालीन शक्तियां प्रदान की गयी।

Nema Books . 920033333

(5) देशी रियासतों को मिलाकर एक भारतीय संघ निर्माण अनुशंसा परन्तु रियासतों को निर्णय स्वतंत्रता ने इसे सफल नहीं बनाया।

(6) इसके द्वारा 1937 में एक संघीय न्यायालय की स्थापना।

(7) इसके द्वारा संघीय लोक सेवा आयोग की स्थापना की गयी।

(8) इस अधिनियम द्वारा म्यांमार को ब्रिटिश रूप से स्वायत्तता प्रदान की गयी।

(9) एक संघीय केन्द्रीय बैंक RBI स्थापना का प्रावधान किया गया।

(10) मतदान का आधार बताया गया।

(11) राज्य के राज्यपाल को राष्ट्रपति शासन, अध्यादेश शक्ति दी गयी।

(12) एक निर्वाचित सरकार की मांग की जाती रही।

इस तरह 1935 अधिनियम भारतीय संविधान को आधार बना।

(D) महात्मा गांधी द्वारा 1930 में पूर्ण स्वराज प्राप्ति हेतु सविनय अवज्ञा आंदोलन आरंभ किया।

आंदोलन के कारण :

(i) साइमन कमीशन असफलता।
(ii) सरकारी [illegible] एवं शोषण।
(iii) गांधी 11 सूत्री मांगों को न मानना।

इस आंदोलन का प्रसार मध्यप्रदेश के विभिन्न स्थानों पर हुआ।

(i) सेठ गोविन्ददास द्वारका प्रसाद मिश्र के नेतृत्व में विशाल जन समूह रैली निकाली गयी। (जबलपुर)
(ii) जबलपुर में सेठ गोविन्ददास के नेतृत्व में नमक कानून तोड़ा गया।

Nema Books -9200333367

(iii) सिवनी मे दुर्गाशंकर मेहता ने गांधी चौक पर नमक बनाकर कानून तोड़ा गया।

(iv) दुर्गाशंकर मेहता मुलताचान पर बैतूल, घोड़ा डोंगरी क्षेत्र मे मुन्ना लोहार, गंजन सिंह कोरकू आदि ने जंगल मे घास काटकर वन कानून उल्लंघन किया तथा जंगल सत्याग्रह को बढ़ावा दिया।

(iv) जबलपुर मे महिलाओं ने शराब-दुकानो पर धरना प्रदर्शन किए। शराब बिक्रि इस घट गयी।

(v) सेठ गोविन्दास ने जबलपुर मे हिन्दुस्तानी सेवा दल का गठन किया।

(vi) गोंड आदिवासीयो ने गंजासिंह कोरकू रिहाई हेतु रेल पटरियां, तारे, उखाड़ दी।

इस तरह सामुद्रिक सीमा न होने के बावजूद विभिन्न अन्य पादपों के द्वारा आंदोलन चलाया गया।

(E)

शाहजहाँ बेगम का शासन 1868-(1901) तक रहा उन्होंने विभिन्न प्रशासनिक, राजस्व, सुधारों के अतिरिक्त भोपाल के स्थापत्य में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। जिसके निम्न उदाहरण हैं

(i) बेगम द्वारा ताज-उल-मस्जिद का निर्माण करवाया गया जो दिल्ली शाहजहाँ की जामा मस्जिद से समानता रखती है।

(ii) बेगम द्वारा शाहजहाँनाबाद में ताजमहल बनवाया गया बेनजीर महल व आली मंजिल महल सम्मुख रूप से ताज महल कहलाते हैं।

(iii) बेगम ने हयातअफ्जा दरवाजा, सराय-ए-सिकन्दर, अलेग्जेंड्रिया विद्यालय मोती महल, जमालुद्दीन, मिराज-ए-उल मस्जिद आदि का निर्माण करवाया गया।

(4) बेगम द्वारा सार्वजनिक भवनों मे पुस्तकालयों, मदरसों को स्थापित करवाया, शाहजहानी बाग बनवाना।

(5) बेगमों ने लेडी हार्डिंग महिला अस्पताल व किंग-आफ-वेल्स पुरुष अस्पताल का निर्माण करवाया।

स्थापत्य विशेषताएं →
(i) इस्लामिक शैली को प्रोत्साहन मकबरे, मस्जिद, मीनार, मेहराब प्रयोग
(ii) मकबरे पुतलियों, मंदिर मे हिन्दु शैली का प्रयोग।
(iii) अंग्रेजियत भवन मे पाश्चात्य शैली का प्रयोग।
(iv) हिन्दू प्रभावों से स्तंभों का प्रयोग
(v) मुगल शैली के तहत चारबाग शैली प्रयोग,
(vi) भवनों का निर्माण बलुआ पत्थर, संगमरमर से किया जाना।

इस तरह भोपाल बेगमों ने भोपाल स्थापत्य को उच्च ऊंचाईयो पर पहुंचाया।

PART-B

प्रश्न:

उत्तर: (A) (I) तुर्कमेनिस्तान में स्थित नरक द्वार निरन्तर आग से जल रहा है इसका कारण ज्वलनशील गैसों का रिसाव है

प्रश्न:

उत्तर: (B) कार्बन उत्सर्जन के बारीक कण जो ऊष्मा का उच्च अवशोषण करते है यह ग्लेशियरों को कम करने के लिए उत्तरदायी।

प्रश्न:

उत्तर: (C) ज्वालामुखी विस्फोट या ज्वालामुखी के नीचे धंस जाने पर बनी ज्वालामुखी गर्त आकृति है

काल्डेरा

प्रश्न:

उत्तर: (D) (I) उच्च दाब से जल द्वारा ड्रिलिंग कर चट्टानों से गैसों को निकालना।

प्रश्न:

उत्तर: (E) (I) मध्यप्रदेश → बालाघाट, जबलपुर
(II) झारखण्ड → पाथवानी, सिंहभूमि
(III) राजस्थान → खेतड़ी, सिंघाना, खो दारिबा।

Question.1 This question contains 15 very short type subquestions ... compulsury. Each question carries 03 (Three Marks)

प्रश्न:

उत्तर (F) (I) कच्छ भूकम्प के प्रभाव से उत्पन्न उत्थान भूमि जिसने नील नदी का अधिग्रहण कर बांध निर्मित किया।

पू./M = 03
प्राप्तांक

प्रश्न:

उत्तर (G) (I) यह होसंगाबाद में स्थित खनिज उत्पादक स्थल
(II) यह टंगस्टन उत्पादन के लिए प्रसिद्ध

पू./M = 03
प्राप्तांक

प्रश्न:

उत्तर (H) (I) ~~[illegible]~~ परिधान पार्क इन्दौर (परदेशीपुर) में
(II) उज्जैन, छिंदवाड़ा, रतलाम, में स्थापित है

पू./M = 03
प्राप्तांक

प्रश्न:

उत्तर (I) (I) सिवाय ~~ड्~~ (पक्का - डिंडोरी - बालाघाट) उपजाति (बिमबार, नराहोतिय, धापया) कुछ [illegible] वार या पोड़ टोल (परधोनी, चैला, भूमर, बड़वाहे - PVIजादर्शी डाल

पू./M = 03
प्राप्तांक

प्रश्न:

उत्तर (J) ~~[illegible]~~ जिन शैलों से होकर भौमजल प्रवाहित होता है या रिसता है उसे जलभृत कहते है

पू./M = 03
प्राप्तांक

compulsory. Each question carries 03 (Three Marks)

प्रश्न:

उत्तर : (K) (I) पृथ्वी टास्क कोर्स 2003 में घटित
(II) ऊपरथ → जल संरक्षण व सुक्ष्म सिंचाई प्रणाली को बढ़ावा।

प्रश्न:

उत्तर : (L) (I) क्लोरोथमइस, (II) आर्सेनिक, (III) सीसा

प्रश्न:

उत्तर : (m) (I) ऐसी नौवहन प्रणाली है जिसमें 24 उपग्रह कार्यरत पर GPS का विकल्प प्रदान करती है।

प्रश्न:

उत्तर : (N) वे प्रोग्राम या एप्लीकेशन जो क्रियाकलाप में मानव के अनुकूल हो उन्हें (Geoapplications Interactive) कहते हैं

प्रश्न:

उत्तर : O किसी स्थान की जानकारी को चित्र, मानचित्र, विडियो आदि के जरिए देना जियोटेगिंग कहलाता है। इसमें GPS, GIS,

Question 2 Write the answers of any ten of the following questions in maximum 50 words. Each question carries 6 (Six) marks.

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(A) महासागर धारा उत्पत्ती के निम्न कारण है।
(a) अंक्षाशो के कारण उत्पन्न तापान्तर।
(b) लवणता मे भिन्नता से उत्पन्न घनत्व अंतर
(c) प्रचलित पवने व्यापारिक, पछुआ पवनो
(d) शुद्ध जल की प्राप्ती नदीयो व ग्लेशियरो द्वारा
(e) पृथ्वी के घुर्णन से उत्पन्न अपसरण बल जिससे जल पूर्व-पश्चिम गति करता है।
(f) विश्व मे उपस्थित वायुमण्डल संचरण।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(B) शैल एक अवसादी चट्टान है जो चीका मिट्टी के संगठन से बनती है जो प्राकृतिक गैस शैल चट्टानो के जैविक उत्पादो से प्राप्त होती है उसे शैल गैस कहते है।
इसका वितरण निम्नानुसार
(i) यह दक्षिण-उत्तरी-अमेरिका मे मिसीसिपी फ्लोरीडा तट पर केन्द्रीत
(ii) अमेरिका के तैयारी आकनाई मे पायी जाती है।

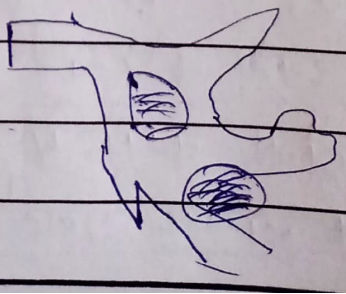

उत्तर :

(c) पूर्वी घाट बंगाल से कन्याकुमारी तक विस्तृत है।

(d) पारिस्थितिकी महत्व – (i) नल्लामल्ला, पालकोण्डा जंगलों में उच्च जैव विविधता पायी जाती है

(ii) पूर्वी घाट पर चन्दन, सागौन, साल, रबड़, काजू वृक्ष उपलब्ध

(iii) गोदावरी, कृष्णा डेल्टा पर उच्च सामुद्रिक विविधता वहीं कई मैंग्रोव, आर्द्रभूमि उपस्थित।

(e) आर्थिक → (i) उड़ीसा, में कोयला, लोहा, मैंगनीज, नल्लामल्ला, पालकोण्डा (यूरेनियम) खदानें।

(ii) पारादीप, गोलकुण्डा, कोयिपल्ल आदि बंदरगाह

(iv) कृष्णा-कावेरी डेल्टा पर उच्च कृषि उत्पादन में।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(i) दक्षिण भारत में नीलगिरि व उसके आस-पास पाए जाने वाले सदाबहार वन शोला वन कहलाते हैं

विशेषता → (i) वर्षा (150-200) cm वर्षा में उगते हैं

(ii) पेड़ों की ऊँचाई अधिक घना स्वरूप तथा अपनी पत्तियां नहीं गिराते

(iii) प्रमुख वृक्ष [illegible] शीशम, आबनूस, रबड़, बाँस, स्प्रूस, आदि

(iv) उच्च जैवविविधता का पाया जाना।

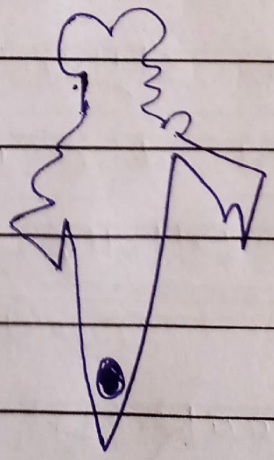

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(E) मध्यप्रदेश में विभिन्न क्षेत्र इससे प्रभावित।

(a) चम्बल घाटी → यहाँ चम्बल, कुनारी, सिन्ध आदि नदीयों द्वारा अवनालिका अपरदन द्वारा उत्खात भूमि का निर्माण किया गया।

(b) वैनगंगा घाटी → वैनगंगा, बालनदी द्वारा बालाघाट, सिवनी क्षेत्रों में तीव्र अपरदन किया गया।

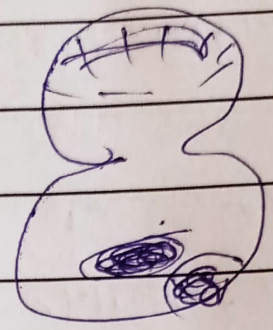

(c) नर्मदा घाटी → नर्मदा किनारों पर बाढ़ आदि द्वारा अपरदन किया जाता → कारण → वृक्षारोपण → निर्माणकार्य

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(F) वन आधारित उद्योगों के रूप में फर्नीचर उद्योग प्रमुख उद्योग है। इसमें सागौन-साल वृक्ष लकड़ी का उपयोग किया जाता है। इसके प्रमुख क्षेत्र → (i) जबलपुर → यहाँ लकड़ी चीरने व फर्नीचर निर्माण का प्रमुख केन्द्र है।

(ii) होशंगाबाद → यहाँ नर्मदापुरम फर्नीचर प्रमुख उत्पादक इकाई।

(iii) इन्दौर → यहाँ विभिन्न केन्द्र मौजूद

(iv) बैतूल → सतपुड़ा क्षेत्र से प्राप्त लकड़ी के कारण विकसित हुआ।

त: (2.2)

पृ./M = (

उत्तर :

(ज) सुदूर संवेदन या (जांड्) का प्रयोग कर धरातल पर मौजूद संसाधनों की जियोटैगिंग कर तैयार किया गया मानचित्र संसाधन मानचित्र कहलाता है।
इसके निम्न प्रकार हो सकते है
(i) खनिज मानचित्र (ii) वनसंसाधन मानचित्र
(iii) तैल-गैस मानचित्र (iv) जल/भू-जल मानचित्र
विशेषता → (i) संसाधनों की उपयुक्त स्थल जानकारी
(ii) संसाधनों का वितरण स्पष्ट होता है
(iii) अभाव, माग का स्पष्टीकरण।

श्न: (2.2)

पृ./M =

उत्तर :

(H) (i) पूर्व मे आयी बाढ प्रभावित क्षेत्रों व सीमाओं का रेखांकन।
(ii) नदी स्त्रोतों के निकट रहवास, निर्माण को रोकना अन्य स्थान पर व्यवस्था करना।
(iii) मॉक ड्रील, जागरुकता जैसे कार्यक्रम
(iv) चेतावनी, सूचना प्रचार करने हेतु हैम रेडियो, या नगरीरेडियो तंत्र रखना।
(v) सामुदायिक भागीदारी → न.पा०, सिविल सोसायटी
(vi) बोट, रेस्क्यु टीम, लाइफ जेकेट की व्यवस्था रखना।

उत्तर :

(I) ऊर्जा स्त्रोत के रूप में सोलर पैनल या रसायनिक बैटरी का उपयोग होता है
उपयोगिता → (i) ट्रांसमिटर द्वारा माइक्रो तरंगों के उत्सर्जन में सहायक।
(ii) रिसिवर, माड्युलेटर, विश्लेषक आदि उपकरणों को चलाने के लिए।
(iv) धरातलीय नियंत्रक केन्द्र से संपर्क स्थापना हेतु।
(v) उपग्रह के मार्ग नियंत्रण, दिशा परिवर्तन आदि में।

प्रश्न: (2.2)

उत्तर :

(J) सुदूर संवेदन में इस्तेमाल होने वाले संवेदकों/सेन्सरों में दो प्रकार होते हैं सक्रिय व निष्क्रिय।
(B) निष्क्रिय → वह सेंसर जो अपने द्वारा माइक्रो तरंगों का कोई उत्सर्जन नहीं करता अपितु सूर्य प्रकाश के परावर्तन से प्राप्त तरंगों को ग्रहण कर विश्लेषण करता है अथवा परिणाम प्रदान करता है।
उदाहरण → कार्टोसैट (प्रमुख उदाहरण है)

प्रश्न: (3.1)

(A)

भूमध्य सागरीय जलवायु (प5-66)
अंक्षांश पर महाद्वीपों के पश्चिमी भागों मे पायी जाती है।
इसका विस्तार यूरोप यूरोप (पश्चिमी), उत्तरी अफ्रीका मे हुआ इसलिए इसे भूमध्यसागरीय जलवायु कहा जाता है।
इसके अतिरिक्त इसका विस्तार चिली, पश्चिमी अफ्रीका, पश्चिमी आस्ट्रेलिया व कैलिफोर्निया मे विस्तृत है।

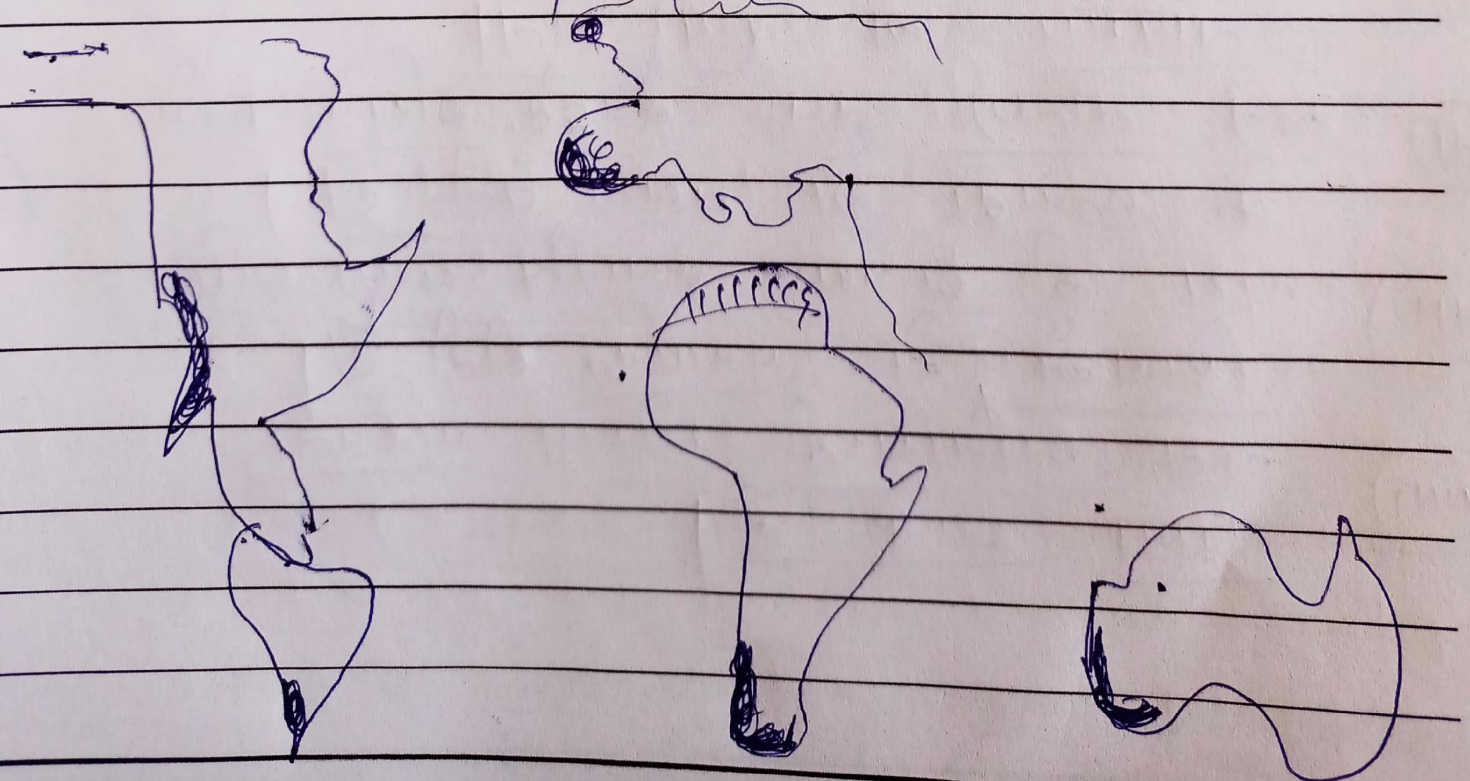

इसकी मिम्न विशेषताए है

(i) यहा शीत ऋतु मे वर्षा होती है इसका कारण पवन पेटियो के दक्षिण विस्थापन से पछुआ पवनो के सम्पर्क मे आना।

(ii) यहा वाताग्री या कुहरी वर्षा होती है

(iii) यहा तापमान सामान्यतः [3–18] °C तक हो सकता है।

(iv) मौसम विभाजन पाया जाता है परन्तु ग्रीष्म ऋतु सामान्य होती है

(v) यहा शीतोष्ण चक्रवात उत्पन्न होते है। जिससे वाताग्री वर्षा होती है

(vi) यहा आर्द्रता सामान्य होती है कारण है तापमान का कम होना।

(vii) यहा वाताग्री वर्षा स्वच्छ है, इसलिए फलो के उत्पादन को बढ़ावा देती है।

(viii) यहा की जलवायु स्थानीय पवनो जैसे सिरको से प्रभावित होती है।

(viiii) यहा अनियमित मौसम परिवर्तन पाया जाता है।

(B) वह उद्योग जिसमे कृषि उत्पादो की तकनीक व मशीनो द्वारा मूल्य वर्धन कर तैयार उत्पाद मे बदला जाए खाद्य प्रसंस्करण कहलाता है

उदाहरण → टमाटर → केचप

भारतीय GDP मे इस क्षेत्र का योगदान मात्र (6%) केवल है वही इण्डोनेशिया आस्ट्रेलिया मे (21-26)% है।

भारत मे इसके समक्ष निम्न चुनौतिया है

(I) कृषि उत्पाद व बाजार तंत्र का लिंक न होना क्योकि मंडी व्यवस्था एकाधिकार बना हुआ है

(II) भारत मे गेंहु-गन्ना-चावल अधिक उत्पादन बागवानी, की उपेक्षा।

(III) भारतीय किसानो मे (FPO) सहकारी कृषि

जागरूकता का अभाव।

(v) कृषि वादी तथा खाद्य प्रसंस्करण खण्डस्थ, शीतलन, परिवहन सम्पूर्ण आपूर्ति श्रृंखला तंत्र मौजूद नहीं।

(vi) भारतीय खाद्य प्रसंस्करण इकाईयां (90%) असंगठित जिससे संगठित चित्र व्यवस्था तक पहुंच नहीं।

(vii) कान्ट्रैक्ट फार्मिंग जैसी गतिविधियों के प्रति अस्वीकार्यता।

(viii) (86.6)% सीमान्त कृषक उनके उत्पादों की बाजार पहुंच ना होना।

भारत सरकार द्वारा → (i) pm कृषि संपदा योजना
(ii) कृषि अवसंरचना कोष → 1 लाख करोड़
(iii) खाद्य (फूड पार्क) स्थापना → 10 फू.प.(खरगौन)
(iv) pm प्रसंस्करण उन्नयन योजना।

आदि प्रयास किए गए हो आवश्यकता है कि कृषि-बाजार अवसंरचना करने हेतु कृषि FPO सहकारिता प्रोत्साहन दे तथा इस क्षेत्र में निवेश और तकनीक विकास पर ध्यान दिया जाए।

Nema Books -9200333367

प्रश्न: (3.1)

(c) भारतीय वन स्थिति 2021 के अनुसार सर्वाधिक वन क्षेत्र मध्यप्रदेश में उपस्थित है जो कुल क्षेत्र का 25% लगभग है।

मध्यप्रदेश वनस्पति संपदा की दृष्टि से संपन्न है। भौगोलिक जलवायु विविधता के आधार पर सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में भिन्न वनस्पति पायी जाती है।

(i) उष्ण कटिबंधीय पर्णपाती वन -

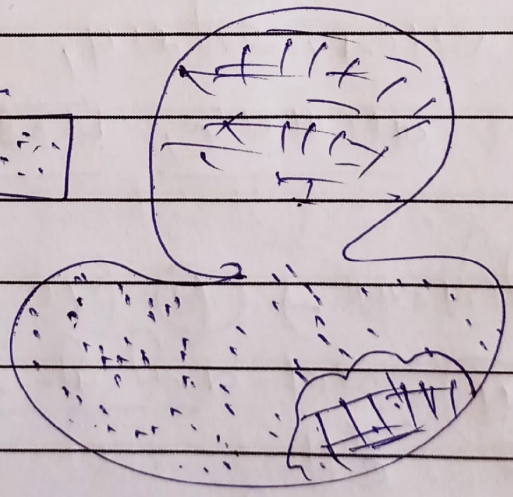

(ii) उष्णकटिबंधीय अर्द्धपर्णपाती वन -

(iii) उष्ण कटिल वन

(i) उष्णकटिबंधीय पर्णपाती → यह सर्वाधिक विस्तृत वनस्पति क्षेत्र

(ii) यह (75-125) cm वर्षा क्षेत्र मे पाए जाते है।
(iii) ग्रीष्म ऋतु मे अपनी पत्तिया गिराते है।
(iv) यह सामान्य विरल वन होते है
(v) सागौन, बरगद, पीपल, नीम, आम
क्षेत्र → भोपाल, होशंगाबाद, तक क्षेत्र।

(ii) उष्णकटिबंधिय अर्द्धपर्णपाती → (i) (150 cm) अधिक वर्षा क्षेत्र
(ii) ग्रीष्म ऋतु मे आंशिक पत्ते गिराते।
(iii) सबसे वन श्रेणी मे आते है वलय।
(iv) बांस, साल, शीशम, जामुन, आदि।
(v) क्षेत्र → बालाघाट, मण्डला, डिण्डोरी।

(iii) उष्ण कटीले वन → (i) (75 cm) से कम वर्षा
(ii) यह कटीली- झाड़ीयो के रूप मे पाए जाते है।
(iii) बबूल, खेजड़ी खजूर, बबूल आदि।
(iv) क्षेत्र → भिण्ड, मुरैना, ग्वालियर, शिवपुरी तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्र।

Nema Books -920033336

(D) कोई अप्रत्याशीत प्राकृतीक या यांत्रीकृत मानवीकृत घटना जिससे व्यापक रूप मे मानव-जन हानि होती हो उसे आपदा कहते है

आपदा

प्राकृतीक — बाढ़ | भूकम्प | सुनामी

मानवकृत — (परमाणु विस्फोट, परिवहन दुर्घटना, आतंकवाद)

पिछले 100 वर्ष मे कई आपदाए घटित हुई परन्तु उनमे से (2004) मे उत्पन्न सुनामी अत्यंत विनाशक रही जिसमे लगभग सम्पूर्ण दक्षिण-पूर्व एशिया, अफ्रिका, भारत, म्यानमार प्रभावित हुआ। यह सुनामी मे सागरीय तल मे उत्पन्न भूकम्प से उत्पन्न हुई थी।

(i) उत्पत्ती कारण →

इंडियन प्लेट व म्यान्मार के प्लेट के अभिसरण या विस्थापन से उत्पन्न संग्रहित ऊर्जा से भूकम्प उत्पत्ती। इसका केन्द्र सुमात्रा द्वीप रहा।

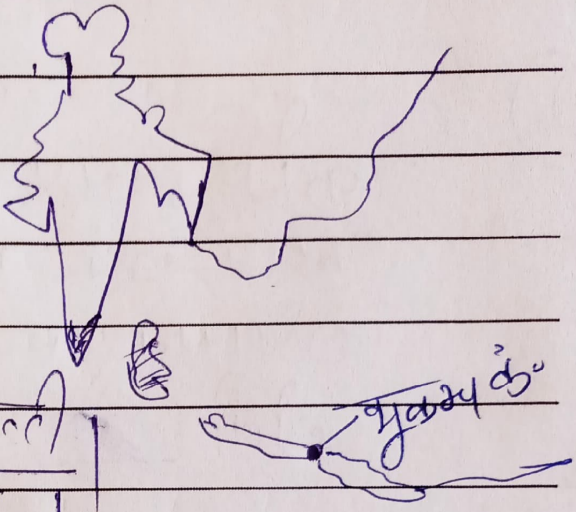

(ii) प्रभाव → (i) दक्षिण-पूर्व (इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप अत्यधिक भाग डूब गया)
(ii) तमिलनाडु, आंध्रा तटों पे व्यापक जल का प्रवेश।
(iii) पूर्वी अफ्रीका सोमालिया, इथोपिया प्रभावित हुआ।
(iv) व्यापक जान-माल की हानि हुई।

(iii) प्रबंधन → (i) UN द्वारा वित्तीय सहायता।
(ii) वैश्विक राहत कार्यक्रम चलाए गए।
(iii) भारत द्वारा आपरेशन राहत कार्यक्रम चलाया।

इससे निपटने हेतु पूर्वचेतावनी केन्द्र, ज्वार-दाब यंत्र, (GPS/ नोवहन) आदि प्रयोग पर ध्यान दिया गया है।

(E) GPS एक नौवहन प्रणाली है जो धरातल पर स्थित वस्तु का तथ समय पर सटीक जानकारी देती है यह (उ.) उपग्रह युक्त प्रणाली U.S.A द्वारा निर्मित है।

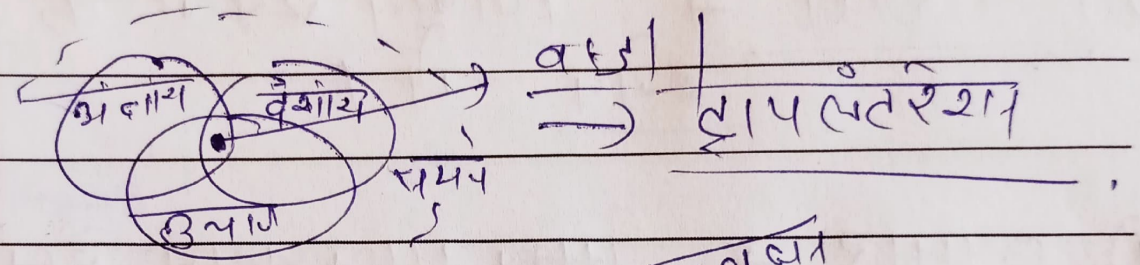

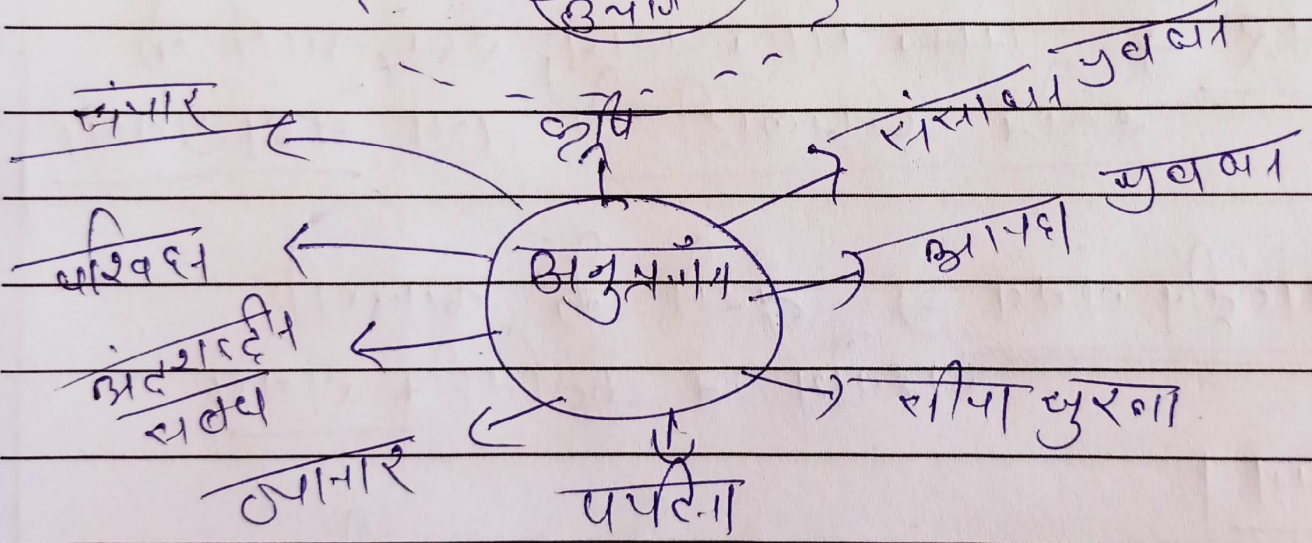

(i) संसाधन प्रबंधन → खनिज, वन, तेल, गैस, आदि स्थलों की पहचान तथा उसके प्रबंधन मे उपयोगी।

(ii) आपदा प्रबंधन → चक्रवात, सुनामी, बाढ़ आदि चेतावनी मे।

(iii) सुरक्षा → स्थल, सामुद्रिक, सीमा सुरक्षा, युद्ध में रणनीति बनाने में।

(iv) पर्यटन → महत्वपूर्ण स्थलों की पहचान व खोज में।

(v) परिवहन → विभिन्न स्थलों के मार्ग खोज में।

(v) उपग्रह → पातलवायु, रेल, आदि की स्थिति जानकारी में तथा बेड़ा प्रबंधन

(vi) अंतर्राष्ट्रीय संबंध → देशों के आपसी सहयोग व कूटनीतिक संबंध स्थापना।

(vii) अनुसंधान → भू-स्थलों, जापुद्रीक, वायुमण्डल आदि विषयों से संबंधित जानकारी का अनुसंधान में उपयोगी।

(viii) कृषि → फसलों की पहचान, विस्तार, मृदा मैपिंग, सुरक्षा प्रवाह मैपिंग आदि में उपयोगी।

Nema Books -920033336